तुम सामने बैठे हो बाबा

तुम सामने बैठे हो बाबा हम देख रहे मन दर्पण में,
दुनिया ढूंढे तुम्हे कण कण में हम मिलन मनाते मधुवन में,
तुम सामने बैठे हो बाबा हम देख रहे मन दर्पण में,

ना तन को तड़पाया हम ने ना घर वारि छोड़े के जंगल को गए,
जिस रह पर ब्रह्मा बाबा चले उस राह पर हम भी चल पड़े,
बाबा तुमने मुझे मीरा कहा हम खुश हो रहे अंतर मन में,
तुम सामने बैठे हो बाबा हम देख रहे मन दर्पण में,

तेरी छतर छाया के निचे हम खुद को सुरक्षत पाए है,
बाकी ममता तुम से ही मिली प्यार पिता का पाए है,
तुम भूल से भी भूल सकते नहीं एहसान है इतने जीवन में,
तुम सामने बैठे हो बाबा हम देख रहे मन दर्पण में,

तीनो लोको की सैर करे जब चाहे आये जाए हम,
तेरी महिमा के गीत हम सब ही बाबा हम हर पल ही गाये,
जन्मो की प्यास भुजी दिल की पहचान मिली जब संगम में
तुम सामने बैठे हो बाबा हम देख रहे मन दर्पण में,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6603/title/tum-samne-bethe-ho-baba-hum-dekh-rahe-man-darpan-me-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |